रात पाली कर्मचारियों को कैंसर मुआवज़ा

रात पाली में काम करने वाली महिलाओं को स्तन कैंसर होने की स्थिति में इसके लिए मुआवजा मिलने का रास्ता अब साफ हो गया है।

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर द्वारा 2007 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रात पाली का काम कैंसर का एक कारण हो सकता है। इस आधार पर डेनमार्क की सरकार अब तक 40 महिलाओं को मुआवज़ा दे चुकी है। रात पाली में काम और कैंसर के सम्बंध के पीछे एक सिद्धांत यह है कि इन कर्मचारियों में रात में बनने वाला हार्मोन मिलेटोनिन कम मात्रा में स्रावित होता हैं। इसकी वजह से एस्ट्रोजन निर्माण में वृद्धि हो जाती है। जिसका असर स्तन में बन रही गांठ की वृद्धि पर होता है।

अलबत्ता पी

कैंसर रिसर्च यूके के कैट एर्ने का मत है कि हम अभी जानते नहीं हैं कि हारमोन क्षतिपूर्ति उपचार (एच.आर.टी.), मोटापा, कम बच्चों की मां होना और एल्कोहल का सेवन जैसे कारक पाली के काम और कैंसर के सम्बंध को किस प्रकार प्रभावित करते हैं या इनका बीमारी से क्या सम्बंध हो सकता है। इसके आलावा वे ये भी जोड़ते हैं कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने समय तक रात पाली का काम स्तन कैंसर की सम्भावना को बढ़ाता है और क्या रात पाली में कुछ विशेष तरह के कामों की वजह से कैंसर का खतरा ज़्यादा बढ़ता है। ***(स्रोत फीचर्स)***